

Mechanism of Internal assessment:-

Taking assignments:-

Roll No. _____ Page No. _____ Date _____

Group - Navjeev Collage Takapal
Submitted By Name - Thalesh Nag
Class - B.Sc I year
Subject - Chemistry
Submitted to - Dr. Manoj Kumar

online assignment - 01

Q. (1) प्रेरणित प्रभाव (Inductive Effect) :-

जिसी भी डाबलिंग ग्रुपिड में सुवीय सहसंयोजन बंध का इलेक्ट्रॉन युग्म उस बंध के छीट मध्य में तदी होता है। यह इलेक्ट्रॉन युग्म उस परमाणु की ओर अधिक आकर्षित रहता है। जिसकी विद्युतऋणाता अधिक हो। अतः "जिसी ग्रुप में जिसी सहसंयोजक बंध के इलेक्ट्रॉन युग्म का अधिक सहसंयोजक परमाणु की ओर विस्थापन हो प्रेरणित प्रभाव कहे है।"

मानते C-य बंध में y परमाणु डाबल परमाणु से अधिक सहसंयोजक है, तो बंध का इलेक्ट्रॉन युग्म y परमाणु की ओर कुछ विस्थापन हो जायगा। इससे y परमाणु पर इलेक्ट्रॉन घनत्व होगा अधिक हो जायगा जिससे उस पर आंशिक ऋणावेश आ जायगा तथा C परमाणु पर इलेक्ट्रॉन घनत्व कम हो जाने के कारण आंशिक ऋण नै घनत्व आ जायगा।

$\Rightarrow \delta^+ : y \delta^-$ या $\Rightarrow \delta^+ \rightarrow y \delta^-$

Assignment - 2022

BSc - III Year

Sub. - Chemistry Guided by -

- Dr. Manoj Goshisth

Name - Ku. Reeta Yadav

Answer

Ans - 1 Difference between Atomic & Molecular orbital:-

Atomic orbital	Molecular orbital
1. A.O नाभिक के चारों ओर वह द्विविमीय क्षेत्र, जहाँ electrons की पाये जाने की संभावना अधिकतम होती है।	M.O नाभिकों के बहुत के चारों ओर द्विविमीय क्षेत्र, जहाँ electrons की पाये जाने संभावना अधिकतम होती है।
2. इनकी कक्षा अधिक होती है अतः ये स्थायी होते हैं तथा इनमें अन्य Atomic orbitals से संयोग कर बन्ध बनाने की क्षमता होती है।	इनकी कक्षा कम होती है अतः ये ज्यादा स्थायी होते हैं। ये आसानी से बन्ध बनाने में भाग नहीं लेते हैं।
3. ये Monocentric होते हैं।	ये Polycentric होते हैं।
4. प्रत्येक A.O की अपनी आकृति व आकार होता है।	इसकी आकृति संयोग करने वाले A.O की आकृति व आकार पर निर्भर करता है।
5. इनमें Bonding & Anti-bonding orbitals नहीं पाये जाते हैं।	इनमें Bonding & Anti-bonding orbitals होते हैं।



कुमारि अंजली वर्धन

कक्षा B.A. III year

विषय अर्थशास्त्र

प्रश्न ① हैरोड - डौमर विकास मॉडल की आलोचना-
त्मक विवेचना कीजिए।

उत्तर :- डौमर मॉडल :-

डौमर डायनेमिक मॉडल का निर्माण इस प्रश्न को लेकर करते हैं कि विकास की वृद्धि उत्पादन-शक्ति को बढ़ाती है तथा आय भी उत्पादन करती है। किन्तु विकास की वृद्धि की दर कम होनी चाहिए कि आय वृद्धि की दर को उत्पादन-शक्ति वृद्धि की दर से बराबर किया जा सके जिससे कि पूर्ण रोजगार को बनाए रखा जा सके।
डौमर मॉडल की मान्यताएँ :-

- ① अर्थव्यवस्था का आय स्तर प्रारम्भिक पूर्ण रोजगार की अवस्था का पहुँच चुका है।
- ② सरकारी हस्तक्षेप और विदेशी सहायता नहीं है।
- ③ संयोजक व्यवस्था में किराये वृद्धि के अन्वयान (व्यय) पाये जाते हैं।
- ④ सीमान्त और अग्रेसर वचन प्रवृत्तियाँ बराबर हैं।
- ⑤ वचन प्रवृत्ति और पुंजी अणुओं (व्यय) (व्यय) निश्चित हैं।

डौमर मॉडल शुरू हैसा समीकरण स्थापित
चाहते हैं। जिसका शुरु प्रश्न उत्पादन शक्ति



डोंगर रूढ़ रूढ़ समीकरण स्थापित करना चाहते हैं। जिसका रूढ़ पक्ष उत्पादन श्रमता की वृद्धि तथा दूसरा माज लिया कि शर्धव्यवस्था में विनियोग की वृद्धि की दर है और नई निर्मित पुंजी की प्रति डॉलर उत्पादन-श्रमता 5 के बराबर है। इस लिए विनियोग को नोबे वाले 1 डॉलर की उत्पादन-श्रमता 15 के बराबर होगी किन्तु यह सम्भव है सकता है। कि नई पुंजी की कुल मात्रा का प्रयोग पुरानी पुंजी के स्थापन पर किया नार और शर्धव्यवस्था में उत्पादन श्रमता 15 डॉलर प्रतिवर्ष न बदकर इससे कम मात्रा में बढ़े जिसे 10 के बराबर दिखाया गया है संकेत 0 (सिगमा) विनियोग की सम्भावनी सामाजिक प्रोसेलन उत्पादन के बतलाता है बचत प्रवृत्ति को 4 के बराबर दिखाया गया है। जिसका उत्पादन 1/4 गुणक की बतलाया है अब यह कहा जा सकता है कि आय में वृद्धि विनियोग वृद्धि (1) और गुणक (1/4) के आकार पर निर्भर होगी विनियोग वृद्धि की दर की गुणक से गुणा करने प्रथम वृद्धि दर का पता लगाया जा सकता है अर्थात्-

$$AY = \frac{1}{4} (AY) \quad \text{--- (1)}$$

यदि आरम्भ में शर्धव्यवस्था पूर्ण शैजगार शान्ति पर है। तो बाह्यीय आय उत्पादन श्रमता के बराबर है।





यदि आरम्भ में कार्यवाहक पूर्ण रोजगार शायद पर हैं। तो राष्ट्रीय आय उत्पादन-शक्त के बराबर होगी पूर्ण रोजगार की वजह से खर्च के लिए राष्ट्रीय आय और उत्पादन-शक्त की एक ही दर से बंधा चाहिए दूसरे शब्दों में राष्ट्रीय आय में वृद्धि उत्पादन शक्त में वृद्धि के बराबर होनी चाहिए।
अर्थात् $\frac{A_1}{A_0} = 10 - ②$

3

समीकरण का बायाँ भाग समीकरण के माँग पर अर्थात् आय में अछिड़ वृद्धि को दिखाता है। जब कि उसका दायाँ भाग उसके प्रति पर अर्थात् उत्पादन-शक्त में वृद्धि को दिखाता है। समीकरण को हल करने के लिए उसके दोनों भागों को $\frac{1}{10}$ गुणा करने तथा उसे भाग देने पर निम्न समीकरण प्राप्त किया जा सकता है।

$$A_1 = 10 \quad ②$$

समीकरण का बायाँ पक्ष विनियोग की मात्रा से विभाजित विनियोग में वृद्धि को दिखाता है। दूसरे शब्दों में यह विनियोग की वृद्धि की वार्षिक अनुपात है। इस प्रकार पूर्ण रोजगार की वजह से खर्च के लिए यह आवश्यक है।

कि विनियोग को वार्षिक पर बंधा चाहिए। यह मानते हुए कि विनियोग का एक निश्चित गुणन (multiplication) है।



कि विनियोग व. की वार्षिक दर से बढ़ना चाहिए। यह मानते हुए कि आय विनियोग का शुद्ध निश्चित गुणन (multiple) है। हम यह कह सकते हैं कि आय को उसी वार्षिक दर पर व. से बढ़ना चाहिए। डॉक्टर के शब्दों में यह कहा जा सकता है कि विनियोग और वास्तविक आय शुद्ध निश्चित वार्षिक मानुपातिक दर से व. से बढ़ना चाहिए जो वचन करों की पहली और विनियोग की औसत उत्पादकता का गुणनफल होती है। इसे शुद्ध उदाहरण के द्वारा समझाया जा सकता है यदि यह मान लिया जाय कि 25 प्रतिशत प्रति वर्ष व. 12 प्रतिशत प्रति वर्ष है और $y = 150$ बिलियन डॉलर प्रति वर्ष है यदि व. रोजगार का कायम रखना है तो $150 \times \frac{12}{100}$ अर्थात् 18 बिलियन डॉलर का विनियोग किया जाना चाहिए। यह विनियोग उत्पादक प्रमत्ता को $9.150 \times \frac{12}{100} \times \frac{25}{100} = 4.5$ बिलियन डॉलर बढ़ायेगा।

यदि बेकार उत्पादन-प्रमत्ता से बचना है तो राष्ट्रीय आय को 4.5 बिलियन डॉलर बढ़नी चाहिए। आय में वृद्धि की शैक्षणिक पर राष्ट्रीय आय की वृद्धि राष्ट्रीय आय के आकार से आगे ठेकर मादुम कि

Unit-Tests and Sessional Exams:-

सत्र-2017-18
चतुर्थ यूनिट परीक्षा

दिनांक-19/12/17
पूर्णांक-20 marks

क्रमांक	विद्यार्थी का नाम	दिनांक	आन्तरिक परीक्षा प्रश्न	प्राप्तांक	पूर्णांक
1.	कमल सिंह			12	
2.	चंद्रशेखर पटेल			12	
3.	कु. कुलानी चिंगप्रांजी		सन्ध्यासिंहास	10	
4.	अतुल कक्ष		की संरचना,	10	
5.	कु. अंजना कश्यप		प्रजनन एवं	11	
6.	कु. लीना		जीवन चक्र का	12	
7.	सुरेश कुमार		वर्णन कीजिए।	13	
8.	कु. भारती सिंग			14	
9.	कु. नैहा बघेल		[OR]	14	
10.	कु. शशिका	19/12/17		13	
11.	सुरेन्द्र बघेल		गॉन्जी काय की	12	20
12.	अनिल कुमार		संरचना एवं	19	marks
13.	नीलम		कार्यो का वर्णन	11	
14.	शंकर		कीजिये।	11	
15.	राहुल			12	
16.	कु. मनिता बघेल			12	
17.	आकाश कुमार मौर्या			11	
18.	सुनील			11	
19.	संजय सेठिया			12	
20.	अमित कुमार बघेल			13	
21.	कु. मीना कश्यप			12	

22.	कु. मुन्ता		11	
23.	कु. अंकिता ठाकुर		11	
24.	सोहन भारती		12	
25.	दिमांशु मस्काम		13	
26.	कु. कविता		12	
27.	विजय विश्वास		13	
28.	कु. भागेश्वरी वैस		14	
29.	पं. रूखर सेठिया		16	
30.	नवान चंद्र		17	
31.	लखेन्द्र कुमार		12	
32.	कु. आशी झा		10	
33.	शिवदास		18	
34.	श्यामनाथ कश्यप		12	
35.	कुंवल सिंग नाग		13	
36.	कु. लक्ष्मी		10	20
37.	डेविडमसीह लघेल		07	marks.
38.	सागर कुमार नाग		07	
39.	कु. हेमलता		06	
40.	कु. प्राथना झा		07	
41.	प्रकाश कुमार		09	
42.	निलाप कश्यप		10	
43.	कु. बालमती कश्यप		12	
44.	कु. चंपा नाग		12	
45.	आसमन		12	
46.	कु. श्यामती लघेल		12	
47.	आदर्श कुमार राजपूत		13	
48.	बुधयम कश्यप		12	
49.	कु. फूलमती		13	
50.	कु. मदाकिनी		13	

51.	दाशम सिंह नेतम		10	
52.	कु. कुंजवरी		09	
53.	गौख सिंह ठाकुर		15	
54.	कु. अकनली		14	
55.	गोपाल नाग		13	20
56.	कु. काशमी		16	marks
57.	कु. तुलावती		13	
58.	आशीष कुमार शर्मा		13	
59.	कु. पुष्पा		12	
60.	लखम लखन		12	

Sign. of H.A.D.

Principal
Govt. Naveen College Tokapal
Distt. Bastar (C.G.)
Principal
Govt. college, Tokapal

Signature
Sig. of employee